चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5.2.26	2	1

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज प्रदर्शनी में पुस्तक का अवलोकन करते हुए।

पुस्तकों से मानसिक, आध्यात्मिक विकास होता है : प्रो. काम्बोज

हिसार| हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रही तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी के दूसरे दिन लोगों की गहमा-गहमी रही। वर्तमान डिजिटल युग के बावजूद पुस्तकों को पढ़ने के प्रति लोगों में बहुत उत्साह नजर आया।

पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व आध्यात्मिक विकास भी होता है। यह विचार एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने विश्वविद्यालय में चल रही पुस्तक प्रदर्शनी के दौरान कहे। उन्होंने बताया कि पुस्तकों के नियमित अध्ययन से ज्ञान में वृद्धि होती है, स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ती है तथा सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। इससे भाषा कौशल और शब्दावली में भी सुधार होता है। पुस्तक पढ़ना तनाव को कम करता है, मन को शांत रखता है और मानसिक थकान दूर करता है, जिससे अच्छी नींद और बेहतर स्वास्थ्य में सहायता मिलती है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि पुस्तकें विद्यार्थियों को दुनिया के बारे में नई जानकारी, विचार और तथ्य प्राप्त करने में मदद करती हैं। हर छात्र को निश्चित रूप से पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने तीन दिवसीय प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	03.02.2026	--	--

पुस्तकों से व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास होता हैः प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» पुस्तक प्रदर्शनी के दूसरे दिन लोगों का बढ़ा रूझान

दक्ष दर्पण

हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रही तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी के दूसरे दिन लोगों की भारी गहमा-गहमी रही। लोग पुस्तकों को देखने के साथ-साथ खरीदारी भी कर रहे थे। वर्तमान डिजिटल युग के बावजूद भी पुस्तकों को पढ़ने के प्रति लोगों में बहुत उत्साह नजर आया। पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने विश्वविद्यालय में चल रही पुस्तक प्रदर्शनी के दौरान कहे। उन्होंने बताया कि पुस्तकों के नियमित अध्ययन से ज्ञान में वृद्धि होती है, स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ती है तथा सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। इससे भाषा कौशल और शब्दावली में भी सुधार होता है। पुस्तक पढ़ना तनाव को कम करता है, मन को शांत रखता है और मानसिक थकान दूर करता है, जिससे अच्छी नींद और बेहतर स्वास्थ्य में सहायता मिलती है। पुस्तकें व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हममें से कई लोगों को अपने खाली समय में या सोने से पहले किताबें पढ़ने की आदत होती है क्योंकि पढ़ने से अवांछित तनाव पर काबू पाने में भी मदद मिलती है। उन्होंने कहा हर साल नई पुस्तकें बाजार में आ रही हैं। पुस्तक प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमियों को एक छत के नीचे विभिन्न प्रकाशकों के प्रकाशनों को देखने व खरीदने का सुअवसर प्राप्त होता है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि पुस्तकें विद्यार्थियों को दुनिया के बारे में नई जानकारी, विचार और तथ्य प्राप्त करने में मदद करती हैं। प्रत्येक छात्र को निश्चित रूप से पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। पुस्तकें सिर्फ प्रतियोगी जीवन की ही साथी नहीं है बल्कि यह जीवन के प्रत्येक पड़ाव पर हमारा मार्गदर्शन करती हैं। इसके साथ पुस्तकें जीवन में निर्णय लेने की कला सिखाती हैं। पुस्तकें विद्यार्थियों को एक नेकदिल इंसान बनने के लिए भी प्रेरित करती हैं। नैतिकता और मूल्यों से संबंधित अच्छी पुस्तकें पढ़ना विद्यार्थियों को अच्छे गुणों से समृद्ध करता है। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने तीन दिवसीय प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्रि-बिजनेस, एलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंस, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। जिसमें आठ प्रसिद्ध पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	04.02.2026	--	--

पुस्तकों से व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास : प्रो. काम्बोज

पुस्तक प्रदर्शनी के दूसरे दिन लोगों का बढ़ा रूझान

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 4 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रही तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी के दूसरे दिन छात्रों और आमजन की अच्छी खासी उपस्थिति रही। लोग पुस्तकों को देखने के साथ-साथ खरीदारी भी कर रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र हैं। इनके अध्ययन से मन को एकाग्रता, मानसिक और अध्यात्मिक विकास मिलता है। नियमित पढ़ाई से ज्ञान, स्मरण शक्ति, निर्णय क्षमता और भाषा कौशल में वृद्धि होती है। पुस्तकें तनाव कम करती हैं, मानसिक शांति देती हैं और स्वास्थ्य सुधार में मददगार होती हैं। कुलपति ने बताया कि पुस्तकें विद्यार्थियों को दुनिया के नए तथ्य और विचार जानने में मदद करती हैं और उन्हें जीवन में नैतिक और नेकदिल बनने के लिए प्रेरित करती हैं। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने बताया कि प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्री-बिजनेस, फूड साइंस, होम साइंस, फिशरीज और जनरल नॉलेज जैसी श्रेणियों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। आठ प्रसिद्ध प्रकाशक इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	03.02.2026	--	--

हकृवि का 56 वर्षों में शिक्षा, शोध, विस्तार के क्षेत्र में रहा स्वर्णिम अध्याय : प्रो. बी.आर. काम्बोज

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, ने अपने स्थापना के 56 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। वर्ष 1970 में स्थापित इस विश्वविद्यालय ने पिछले पाँच दशकों से अधिक समय में शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार सहित विभिन्न सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ अर्जित करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य कृषि शिक्षा, उन्नत अनुसंधान तथा किसानों तक वैज्ञानिक तकनीकों का प्रभावी प्रसार करना है। आज यह संस्थान अपने इसी ध्येय वाक्य को साकार करते हुए कृषि, बागवानी, कृषि अभियांत्रिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी और मूलभूत विज्ञानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। इन 56 वर्षों में

विश्वविद्यालय ने अनेक महत्वपूर्ण शोध और उपलब्धियाँ हासिल की हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अनुसंधान के क्षेत्र में गेहूं, धान, कपास, बाजरा, चना, सरसों, ज्वार, सब्जियों एवं फलों की उन्नत किस्में विकसित करके हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश की कृषि उत्पादकता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उच्च उत्पादकता वाली उन्नत किस्मों का विकास, जल संरक्षण तकनीकों का प्रसार, कीट एवं रोग प्रबंधन की उन्नत विधियाँ तथा जलवायु परिवर्तन के अनुरूप कृषि प्रणालियों का विकास विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कई किस्में आज देश के विभिन्न राज्यों में किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय ने निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ समझौते किए हैं ताकि प्रत्येक किसान के पास उन्नत किस्मों का बीज उपलब्ध करवाया जा सके। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय की विस्तार सेवाओं ने कृषि विज्ञान केन्द्रों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, किसान मेलों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से लाखों किसानों तक वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई नवीनतम तकनीकी जानकारी पहुंचाई है। आधुनिक कृषि तकनीकों को खेतों तक पहुँचाने में विश्वविद्यालय की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। शैक्षणिक दृष्टि से भी विश्वविद्यालय ने हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर देश-विदेश में उत्कृष्ट स्थान दिलाया है। यहाँ से शिक्षित छात्र आज कृषि वैज्ञानिक, प्रशासक, उद्यमी और शिक्षाविद् के रूप में समाज की सेवा कर रहे हैं। 56 वर्षों की यह यात्रा केवल उपलब्धियों का इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य की नई संभावनाओं की प्रेरणा भी है। विश्वविद्यालय आने वाले समय में भी कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के लिए प्रतिबद्ध है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	03.02.2026	--	--

हकृवि का 56 वर्षों में शिक्षा, शोध, विस्तार के क्षेत्र में रहा स्वर्णिम अध्याय: प्रो. काम्बोज

नभ-छोर न्यूज ⏭ 03 फरवरी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने अपने स्थापना के 56 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। वर्ष 1970 में स्थापित इस विश्वविद्यालय ने पिछले पांच दशकों से अधिक समय में शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार सहित विभिन्न सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां अर्जित करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य कृषि शिक्षा, उन्नत अनुसंधान तथा किसानों तक वैज्ञानिक तकनीकों का प्रभावी प्रसार करना है। आज यह संस्थान अपने इसी ध्येय वाक्य को साकार करते हुए कृषि, बागवानी, कृषि अभियांत्रिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी और मूलभूत विज्ञानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। इन 56 वर्षों में विश्वविद्यालय ने अनेक महत्वपूर्ण शोध और उपलब्धियां हासिल की हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अनुसंधान के क्षेत्र में गेहूं, धान, कपास, बाजरा, चना, सरसों, ज्वार, सब्जियों एवं फलों की उन्नत किस्में विकसित करके हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश की कृषि उत्पादकता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उच्च उत्पादकता वाली उन्नत किस्मों का विकास, जल संरक्षण तकनीकों का प्रसार, कीट एवं रोग प्रबंधन की उन्नत विधियां तथा जलवायु परिवर्तन के अनुरूप कृषि प्रणालियों का विकास विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कई किस्में आज देश के विभिन्न राज्यों में किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय ने निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ समझौते किए हैं ताकि प्रत्येक किसान के पास उन्नत किस्मों का बीज उपलब्ध करवाया जा सके। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय की विस्तार सेवाओं ने कृषि विज्ञान केन्द्रों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, किसान मेलों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से लाखों किसानों तक वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई नवीनतम तकनीकी जानकारी पहुंचाई है। आधुनिक कृषि तकनीकों को खेतों तक पहुंचाने में विश्वविद्यालय की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। शैक्षणिक दृष्टि से भी विश्वविद्यालय ने हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर देश-विदेश में उत्कृष्ट स्थान दिलाया है। यहां से शिक्षित विद्यार्थी आज कृषि वैज्ञानिक, प्रशासक, उद्यमी और शिक्षाविद् के रूप में समाज की सेवा कर रहे हैं। 56 वर्षों की यह यात्रा केवल उपलब्धियों का इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य की नई संभावनाओं की प्रेरणा भी है। विश्वविद्यालय आने वाले समय में भी कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के लिए प्रतिबद्ध है।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	03.02.2026	--	--

हकृवि का 56 वर्षों में शिक्षा, शोध, विस्तार के क्षेत्र में रहा स्वर्णिम अध्याय: प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, ने अपने स्थापना के 56 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। वर्ष 1970 में स्थापित इस विश्वविद्यालय ने पिछले पाँच दशकों से अधिक समय में शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार सहित विभिन्न सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ अर्जित करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य कृषि शिक्षा, उन्नत अनुसंधान तथा किसानों तक वैज्ञानिक तकनीकों का प्रभावी प्रसार करना है। आज यह संस्थान अपने इसी ध्येय वाक्य को साकार करते हुए कृषि, बागवानी, कृषि अभियांत्रिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी और मूलभूत विज्ञानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। इन 56 वर्षों में विश्वविद्यालय ने अनेक महत्वपूर्ण शोध और उपलब्धियाँ हासिल की हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अनुसंधान के क्षेत्र में गेहूं, धान, कपास, बाजरा, चना, सरसों, ज्वार, सब्जियों एवं फलों की उन्नत किस्में विकसित करके हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश की कृषि उत्पादकता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उच्च उत्पादकता वाली उन्नत किस्मों का विकास, जल संरक्षण तकनीकों का प्रसार, कीट एवं रोग प्रबंधन की उन्नत विधियाँ तथा जलवायु परिवर्तन के अनुरूप कृषि प्रणालियों का विकास विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कई किस्में आज देश के विभिन्न राज्यों में किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय ने निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ समझौते किए हैं ताकि प्रत्येक किसान के पास उन्नत किस्मों का बीज उपलब्ध करवाया जा सके। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय की विस्तार सेवाओं ने कृषि विज्ञान केन्द्रों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, किसान मेलों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से लाखों किसानों तक वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई नवीनतम तकनीकी जानकारी पहुंचाई है। आधुनिक कृषि तकनीकों को खेतों तक पहुँचाने में विश्वविद्यालय की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। शैक्षणिक दृष्टि से भी विश्वविद्यालय ने हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर देश-विदेश में उत्कृष्ट स्थान दिलाया है। यहाँ से शिक्षित छात्र आज कृषि वैज्ञानिक, प्रशासक, उद्यमी और शिक्षाविद् के रूप में समाज की सेवा कर रहे हैं। 56 वर्षों की यह यात्रा केवल उपलब्धियों का इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य की नई संभावनाओं की प्रेरणा भी है। विश्वविद्यालय आने वाले समय में भी कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छूने के लिए प्रतिबद्ध है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	04.02.2026	--	--

हकृवि ने बदली हरियाणा की खेती की तस्वीर: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (सच कहूँ/मुकेश)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) ने अपने स्थापना के 56 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। वर्ष 1970 में स्थापित विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य कृषि शिक्षा को सुदृढ़ करना, उन्नत शोध को बढ़ावा देना और वैज्ञानिक तकनीकों को किसानों तक पहुँचाना रहा है। आज हकृवि कृषि, बागवानी, कृषि अभियांत्रिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी एवं मूल विज्ञानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने गेहूं, धान, कपास, बाजरा, चना, सरसों सहित अनेक फसलों की उन्नत किस्में विकसित कर देश की कृषि उत्पादकता बढ़ाने में अहम योगदान दिया है। जल संरक्षण, कीट-रोग प्रबंधन और जलवायु अनुकूल कृषि प्रणालियों के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय की उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। उन्होंने कहा कि 56 वर्षों की यह यात्रा भविष्य में कृषि शिक्षा और अनुसंधान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रेरणा है और विश्वविद्यालय इस दिशा में निरंतर अग्रसर रहेगा।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	03.02.2026	--	--

हकृवि के 56 वर्षों में शिक्षा, शोध व विस्तार का स्वर्णिम अध्याय : प्रो. बी.आर. काम्बोज

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 4 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) ने अपने स्थापना के 56 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। वर्ष 1970 में स्थापित विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य कृषि शिक्षा को सुदृढ़ करना, उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देना तथा वैज्ञानिक तकनीकों को किसानों तक पहुँचाना है। वर्तमान में विश्वविद्यालय कृषि, बागवानी, कृषि अभियांत्रिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी एवं मूल विज्ञानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने गेहूं, धान, कपास, बाजरा, चना, सरसों सहित अनेक फसलों की उन्नत किस्में विकसित कर देश की कृषि उत्पादकता बढ़ाने में अहम योगदान दिया है। जल संरक्षण, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा जलवायु अनुकूल कृषि प्रणालियाँ इसकी प्रमुख उपलब्धियाँ हैं। कुलपति ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों, किसान मेलों व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से विश्वविद्यालय ने लाखों किसानों तक आधुनिक तकनीक पहुँचाई है। साथ ही, यहां से शिक्षित छात्र देश-विदेश में कृषि वैज्ञानिक, प्रशासक व उद्यमी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विश्वविद्यालय भविष्य में भी कृषि शिक्षा व अनुसंधान में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रतिबद्ध है।